



Cadaver Organ Donor Kokilaben Ghanshyambhai Sonani



Woman becomes second bone donor in Diamond City

Times News Network

Surat: Family members of 45-year-old housewife Kokila G Sonani donated her bones along with kidneys and liver after her death here recently. This is second case of bone donation in Surat.

Kokila Sonani, wife of Ghanshyam Sonani, had fallen unconscious at a social function on May 02. She was rushed to Ayush Hospital and the subsequent tests found that she suffered from a disease called 'moyamoya'. It is a rare, pro-

gressive cerebrovascular disorder, which is caused by blocked arteries at the base of the brain.

She was declared brain dead on May 07. Her son Rishabh, who is a fourth year student of engineering at Waghodia, and daughter Kirtika, 18, said: "If our mother's organs can give a new lease of life to people, we want to donate her kidneys, liver and any other body part."

Ghanshyam Sonani, who is a manager in Gopinath Gems, said, "We wanted to donate her bones on learning that they

can be use to cancer patients."

Kokila's kidneys and liver were taken by doctors from the Institute of Kidney Diseases and Research Centre. One of her kidneys was transplanted into the body of 42-year-old Shreyas Pandya and the other in 14-year-old Prashant Vasanagar of Junagadh. Her liver was transplanted in the body of 28-year-old Malusar Luni of Palitana. Her lower limb bones, including femur, were accepted by Dr Rajiv Raj Chaudhary of Ashutosh Multi-Specialty Hospital.

कड़ियों ने पहने, नए-नए गहने

असह्य तृतीया पर ज्वैलरी के शोल्का में उमड़ी गीड़, गहनों और सोने के डिस्पिक्ट की अच्छी बिक्री

सह्य 08 पब्लिक

असह्य तृतीया पर कई लोगों ने शोल्का में ज्वैलरी पहने। शोल्का में शोल्का के निम्नलिखित दुकानों में ज्वैलरी शोल्का पर बिक्री की गयी।

शुद्ध सोने के आभूषण किरी भी बिक्री की दुकान पर ज्वैलरी, सोपलिन आदि बिक्री के लिए शोल्का तृतीया के कुरु को शुभ माना जाता है। शोल्का में निम्नलिखित बिक्री की गई ज्वैलरी का शुभ कारी शोल्का, इलाहाबाद शोल्का, जयपुर शोल्का, सोने-चांदी के आभूषण की बिक्री करती हैं। सोने-चांदी के ज्वैलरी शोल्का में गहनों की बिक्री के लिए ज्वैलरी बिक्री करती हैं। शोल्का में ज्वैलरी या सोने



के ज्वैलरी की बिक्री की। कई लोगों ने शोल्का में सोने-चांदी के गहनों की बिक्री की। शोल्का में ज्वैलरी की बिक्री करती हैं। शोल्का में ज्वैलरी की बिक्री करती हैं। शोल्का में ज्वैलरी की बिक्री करती हैं।

असह्य तृतीया पर कई लोगों ने शोल्का में ज्वैलरी पहने। शोल्का में शोल्का के निम्नलिखित दुकानों में ज्वैलरी शोल्का पर बिक्री की गयी।

शुद्ध सोने के आभूषण किरी भी बिक्री की दुकान पर ज्वैलरी, सोपलिन आदि बिक्री के लिए शोल्का तृतीया के कुरु को शुभ माना जाता है। शोल्का में निम्नलिखित बिक्री की गई ज्वैलरी का शुभ कारी शोल्का, इलाहाबाद शोल्का, जयपुर शोल्का, सोने-चांदी के आभूषण की बिक्री करती हैं। सोने-चांदी के ज्वैलरी शोल्का में गहनों की बिक्री के लिए ज्वैलरी बिक्री करती हैं। शोल्का में ज्वैलरी या सोने

के ज्वैलरी की बिक्री की। कई लोगों ने शोल्का में सोने-चांदी के गहनों की बिक्री की। शोल्का में ज्वैलरी की बिक्री करती हैं। शोल्का में ज्वैलरी की बिक्री करती हैं। शोल्का में ज्वैलरी की बिक्री करती हैं।



लेडवा पटेल समाज के कोकीलाबेन धनश्यामभाई सोनाणी को मोया मोया नाम की ब्रेन की बिमारी की वजह से ब्रेनडेड हुआ। उसके बाद शहर के आयुष अस्पताल के डॉक्टरों की टीम एवं डोनेट लाईफ के सहयोग से सोनाणी परिवार ने उनकी किडनी, लीवर एवं हड्डियों का दान कर मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण दिया।

गुजरात में हड्डी दान का दूसरा उदाहरण

कोकिलाबेन घनश्याम भाई सोनारणी ने दिया किडनी ,लीवर, सहित हड्डी का दान

सूरत- लेडवा पाटोदर समाज का ब्रेनट्रेड कोकिलाबेन घनश्यामभाई सोनारणी ने किडनी ,लीवर सहित हड्डी का दान देकर मानव समाज को गुजरात में दूसरा उदाहरण पेश किया। ए-303 तीसरी मंजिल , हरोशमूर्ति काम्लेक्स, कुन्नुम पाक सोसायटी, डभोली चार रास्ता, सूरत की निवासी कोकिलाबेन सोमवार को सामाजिक कार्यक्रम में शरीक होकर लौटी थी और घर पर बैठी थी तभी अचानक शिर में दर्द होने लगा उन्हें तत्काल आयुष आइ.सी.यू. मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया जहां डा. निलेश परमोत्तम ने इलाज किया। उनका इलाज चल रहा था कि शनिवार को न्युरोसर्जन डॉ. हसमुख सोजिवा एवं न्युरोजिजिस्तिव डॉ. परेश झांझमेरा ने उन्हें ब्रेनट्रेड घोषित कर दिया। इराकी जानकारी डाक्टर ने डॉनेट लाइफ के निलेश मांडलेवाला को सी निलेश मांडलेवाला ने कोकिलाबेन के पुत्र रिकेश और



भतीजे अरविन्द भाई को अंगदान के खारे में समझाया यदि इडों का दान करते हैं तो हड्डी के कैसर के रोगी को लाभ होगा।

इस पर परिवार के लोग सहमत हो गए। इसके बाद अहमदाबाद की इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेन्टर के डॉ. गुंरा और उनकी टीम ने दो किडनी और लीवर का दान लिया। उसी प्रकार लंग्स की हड्डी का दान आशुतोष मल्टी

स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ. राजीव राज चौधरी ने स्वीकार किया। दान में मिला एक किडनी को अहमदाबाद के श्रेयश पंड्या और दूसरे जूनागढ़ के रहिवासी प्रशान्त विशालागर को ट्रांसप्लांट की गयी है। इसी प्रकार लीवर फर्लीताणा के निवासी मालसुर दंतुभाद लुणी को ट्रांसप्लांट की गयी है। डॉनेट लाइफ दक्षिण गुजरात में इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

शहर में हड्डी वान का सिलसिला जारी ब्रेनडेड महिला के किडनी, लिवर के साथ हड्डीयों का भी किया दान

बीओटी संवाददाता
सुरत, 09 मई

शहर में किडनी एवं लीवर दान के साथ साथ हड्डीयों का भी सिलसिला शुरू हो गया। ब्रेन डेड एक महिला के किडनी एवं लीवर के साथ हड्डीयों का दान कर अंगदाता को नई जिंदगी दी गई।

वेड रोड इभोली चौराहे के पास स्थित इरोश सुर्त अंगदान केंद्र में ब्रेनडेड महिला के किडनी, लीवर व हड्डीयों का दान किया गया।



वह बेहोश हो गई थी। उन्हें तत्काल आयुष जाइव्यू एण्ड पल्सी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। जहाँ उनके सिटी स्कैन और एंग्रामाईकल पर मोया-मोया नामक रोग

का निदान हुआ था। 7 मई को न्यूरो सर्जन और न्यूरोफिजिशियन ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया था। डॉक्टर साईफ संस्था के प्रमुख निलेश मोहनका ने बीओटी वैन के परिवर्तनों को अंगदान की

प्रोसेस समाप्त की थी और परिवर्तनों को साफ करने के बाद उनके किडनी, लीवर के साथ साथ हड्डीयों का भी दान किया गया। इनकी एक किडनी अंगदाताद नियामी अंग पण्ड्या (57 वर्ष) तथा दूसरी किडनी अंगदात नियामी 14 वर्षीय किशोर में ट्रांसप्लांट की गई। जबकि लीवर पण्ड्या के निधारी सुधाश (28 वर्ष) में ट्रांसप्लांट किया गया। जबकि हड्डीयों का दान अंगदाता मल्ली स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉ. राजेश वान चौधरी ने लिया। वैन डेट महिला के अंग दान से तीन लोगों को नई जिंदगी मिली।



सुरतना ब्रेनडेड डोडीलाभेननां अस्थि अने अंगोनां दानथी व इच्छियातमंढोने नवजुवन

सुरत ना अंगदान केंद्र में ब्रेन डेड महिला के किडनी, लीवर व हड्डीयों का दान किया गया।



तमनी तमिषयतयां कीडे सुधाशे नदी आवतां जत ना. उरिजे न्युसर्जन वे अंगदान केंद्र के प्रमुख निलेश मोहनका ने बीओटी वैन के परिवर्तनों को अंगदान की प्रोसेस समाप्त की थी और परिवर्तनों को साफ करने के बाद उनके किडनी, लीवर के साथ साथ हड्डीयों का भी दान किया गया।

अंगदान केंद्र के डॉक्टर साईफ संस्था के प्रमुख निलेश मोहनका ने बीओटी वैन के परिवर्तनों को अंगदान की प्रोसेस समाप्त की थी और परिवर्तनों को साफ करने के बाद उनके किडनी, लीवर के साथ साथ हड्डीयों का भी दान किया गया।



उमोदीना ब्रेथनडेड कोडिला सोमाणीना किडनी लीवर, आंभो अने छाडकांनुं अंगदान करायुं

मुंबई, २४/०९
मोहन डेव काडिला सोमाणीना हांची छाडकांनुं पण दान करपाचें भावनें आ. उमोद वाठारांत अश्यो ह्या रितीन डेव काडिला सोमाणी, लीवर, अशु अने किडनीचुं दान करपाचुं हातूंत आंभो, आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.



वेड रिड हांची मार घेवना पावो अश्याचो हांतूंत मुंबई मेडिकल कॉलेज हाची कॅन्सर सेंटर-उमोद हांचे सोमाणी काडिला सोमाणी (मुंबई, काडिला, काडिला, काडिला) हाचो आ. उमोद नाश्याचो दुख्खाचो हांतूंत आंभो हांची पड्या घेवना. मोहन डेव काडिला सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.

मूळ भोटाना गोरडका गामना कोडिलाबेन माथाचो दुखावानी इरियाद भाद हाणी पड्या उता

तुमीचोचो सहाय्य आ. वेन्त हातूंत काडिला सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.

समाजत गामना हांची कोडिलाबेन माथाचो दुखावानी इरियाद भाद हाणी पड्या उता. हातूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.



ब्रेनडेड महिलांना अंगो साथे छाडकांनुं दान करायुं

मुंबई, २४/०९
मुंबई भात मेल्ले कोडिलाबेन सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ. वेन्त हातूंत काडिला सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.

मुंबई भात मेल्ले कोडिलाबेन सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ. वेन्त हातूंत काडिला सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.



हातूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ. वेन्त हातूंत काडिला सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.

त्रय दिवसमां भीजुं छाडकांदान

मुंबई, २४/०९
मुंबई भात मेल्ले कोडिलाबेन सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ. वेन्त हातूंत काडिला सोमाणी हाचे खांदयांत हांतूंत आंभो, आंभो, आंभो हांचे नेमां उपवीचो येवज्याचो हांतूंत आंभो अश्याचो काळो दायो आ.



બ્રેઈનડેડ મહિલાના અંગો ઉપરાંત હાડકાં પણ દાન કરવાનો ગુજરાતમાં બીજો બનાવ

બ્રેઈનડેડ કોકીલાબેન સોનાણીના પરિવારે હાડકાં અને અંગો દાન કરી સમાજને નવી દિશા ચિંધી
સુરત, તા.૧૦

સોમવાર તા. ૦૨ ને, ૨૦૧૬ના રોજ કોકીલાબેન શનશ્યામભાઈ સોનાણી સાથે ૦૮,૦૦૦ રૂાવાને એક સામાજિક ઠંડકાનમાં તેમના પરિવાર સાથે બંધ કરવામાં આવેલા જમીને બેઠક કરવા તમારે માથામાં દુખાવાની ફરિયાદ કરી હતી. ત્યારબાદ તેઓને વોળીટ ચલા તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા. તેથી તેમને સાકાયિક નામુખ આઈ. સી. ડુ. ડી મલ્ટી સ્પેશિયલિટી હોસ્પિટલમાં કાર્ડિયોલોજીસ્ટ ડૉ. નિલેશ પરસોરામની સારવાર હેઠળ દાખલ કરવામાં આભા જેમાં કાર્ડિયોલોજીસ્ટ અને ન્યુરોલોજીસ્ટની ટીમ દ્વારા સીટી સ્કેન અને બ્રેનઆરઆઈ બ્રેન કરાવ્યા બાદ મૌયા મૌયા નામના સંગનુ નિદાન થયું હતું.

સુરતવાર તા. ૦૭ ને ૨૦૧૬ના રોજ ન્યુરોલોજીસ્ટ ડૉ. હસમુખ સોજાના અને ન્યુરોલોજીસ્ટ ડૉ. પરેશ ઠાકરેનાએ તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા. કાર્ડિયોલોજીસ્ટ ડૉ. નિલેશ પરસોરામએ ડોનેટ કાર્ડનું મનુન નીલેશ માંડવેવાલાનો

ટેલેફોનિક સંકેત કરી કોકીલાબેનના બ્રેનડેડ અંગનો માહિતી આપી. નીલેશ માંડવેવાલાએ બોલિવુડના પર્સોની કાર્ડિયોલોજીસ્ટ ડૉ. નિલેશ પરસોરામ ની સાથે સ્વી ડોનેટાબેનના પતિ વાસ્તવભાઈ, પુત્ર રંકેશ અને બન્નીજ અરવિંદભાઈને અંગદાનની મંજૂરિની જાણાડારી આપી અને કાનુનિક મહત્વ સમજાવ્યું. હોસ્પિટલના પતિ વાસ્તવભાઈ અને પુત્ર રંકેશ જણાવ્યું કે અમારું લગ્ન બ્રેનડેડ થઈ ગયું છે અને તેઓનું સારી બળીને રાખ થઈ જાય તેના કરતા તેઓના અંગોનું દાન કરી કિડની અને હિવર નિષ્કલ્યાણ થઈ જાયને સ્વચ્છીવન મળવું હોય તે બેગલાન માટે આપ આગળ વધો?

નીલેશ માંડવેવાલાએ તેઓને માહતીના દાન માટે સમજાવતા જણાવ્યું હતું કે, જો તેઓ હાડકાંનું પણ દાન કરશે તો આ હાડકાઓ સ્વચ્છીવન થઈ જાય અને હાડકાંના બીજા અન્ય હર્દીઓને મદદરૂપ થશે. ત્યારે પરિવારજનોએ જણાવ્યું કે આવા હર્દીઓને ડોનોરશી ટ્રાઈબ મળે તે માટે સરકારના જે ઠેક પહોં અંગોનું દાન થઈ શકે તે હોય તે માટે આપ આગળ વધો.

પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની અને હાડકાંના દાન ની અમતિ મળતા નીલેશ માંડવેવાલાએ અંગદાનની Institute of Kidney Diseases and

Research Centre (IKDRC)ના ડા-સાચાંદ દો.એકીનેટર વિમાબેન સાખ અને ડૉ. યાંજય મોદીનો સંપર્ક કરી કિડની અને હીવરનું દાન લેવા આગળ માટે જણાવ્યું. જ્યારે હાડકાંના દાન લેવા માટે આસુરીશ મલ્ટી સ્પેશિયલિટી હોસ્પિટલના ડૉ. રાહીબ રાજ ગોખરીને જણાવ્યું.

અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) ના ડૉ. સુરેશ અને તેમની ટીમે આથી બે કિડની અને હીવરનું દાન સ્વીકાર્યું. જાપના હાડકાંઓનું દાન આસુરીશ મલ્ટી સ્પેશિયલિટી હોસ્પિટલના ડૉ. રાહીબ રાજ ગોખરી અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્યું. દાનના મેળવવામાં આવેલી બેક કિડની અંગદાનના હોવાથી સેન્સ પેટનુ ડિ.વ. કરવા અને બીજા કિડની જુનાગઢના રહેવાલી મણીલ વિમાનાબરા ડિ.વ. ૧૩ નાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી છે. જ્યારે હીવર પ્લોટાવાના રહેવાલી માલસુર હનુભાઈ મુશી ડિ.વ. ૨૨માં ડા-સાચાંદ કરવામાં આર્મ છે. આ બંને કિડની અને હીવરનું ડા-સાચાંદ અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre



ગુજરાતમાં અસ્થિદાનનો બીજો કિસ્સો બ્રેઇન ડેડ કોકિલાબહેનના અસ્થિ અને અંગોનાં દાનથી જરૂરિયાતમંદોને નવજીવન



અમદાદી જોશી ઘરફથી સુરત, તા. ૯ : રાજ્યમાં બીજી વખત અસ્થિદાનનો કિસ્સો બન્યો છે. તાજેતરમાં સુરતના મલુવાની એ ક. એ ઈન્ટેડ કલેજિંગના પરિવારજનોએ તેમની હાર્ટકાનનો દાન કરીને સમાજમાં નવો જાનવો બેસાડ્યો હતો. આ ઘટના બાદ હાર્ટકાનનો દાનને લઈને પણ લોકોની જાગૃતતા થોડા સુધી વધી છે તેમ કહી શકાય.

શહેરના સ્વર્ણવેલિસ્ટમાં રહેતાં કોકિલાબહેન વનજામવાડી સોનારી (ઉ.વ.૫૫)એ ગત સપ્તાહે માથાના દુખાવાની ફરિયાદ કરતાં તેમને તાત્કાલિક શહેરની આયુષ્ય હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યાં હતાં, જ્યાં દવા સેવા તબીબોએ સમાન સિપોટીસ કરવા બાદ

કોકિલાબહેનને મોટા મોટા નાણાં દોગમયો હોવાનું નિદાન કર્યું હતું. તેમની તબિબતમાં કોઈ સુધારો નહીં આવતા ગત ૭મીએ ન્યૂરોસર્જન ડૉ. હસમુખ સોજિત્રા અને ન્યૂરોલોજિસ્ટ ડૉ. પરેશ. લાલસેરીએ તેમને બ્રેઈન ડેડ જાહેર કરી હતાં. કાર્ડિયોલોજિસ્ટ ડૉ. નીલેશ પરશોતમે ડીનેટ લાઈફ સંસ્થાના પ્રમુખ નીલે શબાઈ માંકલેવાળાનો સંપર્ક કરીને બ્રેઈન ડેડ હાર્ટની સહિત આપતાં તેમને તેમની ટીમ સાથે હોસ્પિટલ પહોંચી ગયા હતા. ડીનેટ લાઈફ સંસ્થાએ બ્રેઈન ડેડ કોકિલાબહેનના પરિવારજનોનાઈ, પુત્ર રિકેશ તથા ઉપસ્થિત પરિવારજનોને અંગદાન વિશે માહિતી આપીને અંગદાન કરવા માટે રાજી કર્યા હતા. ડીનેટ

લાઈફ દ્વારા તાજેતરમાં પેલેસી વખત હાર્ટકાનનો દાન પણ શરૂ કરાવવામાં આવ્યું છે. કોકિલાબહેનના પરિવારજનોએ હાર્ટકાનના માટે પણ પરવાનગી આપી હતી. બ્રેઈન ડેડ કોકિલાબહેનની દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બેડકિડની સમકાલના રહેવાસી શ્રેયશાંતિયા (ઉ.વ.૨૨) અને બીજા કિડની દુખાવાના રહેવાસી પ્રસાંત વિશાનભાઈ (ઉ.વ.૫૬)માં દાનપ્રાપ્તિ કરવામાં આવી હતી. જ્યારે લીવર પાલિત દાનના રહેવાસી માલુશર હંતુભાઈ ભુષાઈ (ઉ.વ.૫૮)માં દાનપ્રાપ્તિ કરવામાં આવ્યું હતું. હાર્ટકાનનો દાન આશુતોષ મહેટે એથિમિટાઈટી હોસ્પિટલના ડૉ. રાજીવરાજ ચૌધરી અને તેમની ટીમ સંચાલિત હતું.

